न्यूज डायरी

एफएटीएफ के दबाव के आगे झुका पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। आतंकवादियों को पाल–पोषकर बड़ा करने वाले पाकिस्तान की सीनेट को गुरुवार को आर्थिक कार्रवाई कार्यबल के दबाव के आगे झुकना पड़ा। सीनेट ने एफएटीएफ की ओर से तय की गई सख्त शर्तों से संबंधित दो विधेयकों को गुरुवार को सर्वसम्मति से पारित कर दिया। इससे एक दिन पहले ही इन विधेयकों को नैशनल असम्बेली में विपक्ष के मुखर विरोध के बावजूद बुधवार को पारित करा लिया गया था। इस दौरान पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि इन विधेयकों के पारित होने से भारत के मंसूबों पर पानी फिर गया है। कुरैशी ने कहा, सीनेट ने दो विधेयकों को पारित करके भारत के मंसूबों पर पानी फेर दिया है जो चाहता है कि पाकिस्तान एफएटीएफ की ओर से ब्लैकलिस्ट कर दिया जाए। उन्होंने कहा, हम पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट से हटाए जाने का प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले संसदीय मामलों पर प्रधानमंत्री के सलाहकार बाबर अवान ने आतंकवाद रोधी विधेयक 2020 और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद विधेयक 2020 को सदन के पटल पर रखा।

अफगानिस्तान में आत्मघाती हमले में नौ की मौत, 40 घायलः अफगान अधिकारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान के पूर्वी लोगार प्रांत में बृहस्पतिवार को आत्मघाती बम हमले में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई तथा 40 लोग घायल हो गए। यह हमला प्रांत की राजधानी पुल–ए–आलम में एक पुलिस जांच चौकी को निशाना बनाकर किया गया था। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता तारिक एरियन ने पहले कहा कि हमले की चपेट में आए ज्यादातर लोग आम नागरिक हैं लेकिन बाद में बताया कि मारे गए छह लोग पुलिसकर्मी तथा तीन आम नागरिक हैं। उन्होंने यह भी बताया कि हमले में ज्यादा संख्या में आम नागरिक घायल हुए हैं। प्रांतीय पुलिस के प्रवक्ता शाहपुर अहमदजई ने बताया कि हमले में मारे गए आम लोग वे हैं जो कार में सवार थे और चौकी पर जांच के लिए रुके थे। मृतकों के अलग–अलग आंकड़े सामने आए हैं। प्रांतीय परिषद के प्रमुख ने कहा कि हमले में 15 लोगों की मौत हुई है।

अब 300 लोगों को कोरोना से इम्यूनिटी के लिए टीके लगाएंगे वैज्ञानिक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। इंपीरियल कॉलेज लंदन के वैज्ञानिकों ने कहा है कि वे कोरोना वायरस से प्रतिरक्षण के लिए सैकड़ों लोगों को प्रयोग्यात्मक टीका लगाएंगे। टीके के अभी तक के परीक्षणों में इसके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक ना होने की बात सामने आने के बाद यह कदम उठाया जा रहा है। गौरतलब है कि ब्रिटेन की ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी की वैक्सीन भी इंसानों पर शुरुआती ट्रायल में असरदार पाई गई है और उसका भी बड़े स्तर पर ट्रायल होना अभी बाकी है। कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. रॉबिन शैट्टॉक ने बताया कि उन्होंने और उनके सहकर्मियों ने टीके की कम खुराक पहले कुछ लोगों को दी, जिसके बाद अब वे करीब 300 लोगों को यह टीका लगाएंगे। उन लोगों में से कुछ की उम्र 75 साल से अधिक है। उन्होंने कहा, इसका कोई हानिकारक प्रभाव नहीं है। इंपीरियल में टीके संबंधी अनुसंधान का नेतृत्व कर रहे शैट्टॉक ने कहा कि हम अब भी इस पर अध्ययन कर रहे हैं।

राफेल पर राजनाथ के बयान से चीन को लगी मिर्ची

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। राफेल फाइटर जेट के भारतीय वायुसेना में शामिल होने से केवल पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि चीन के भी होश उड़े हुए हैं। इसी कारण एशिया में विस्तारवादी रणनीति अपनाए हुए ड्रैगन के सुर भी नरम पड़ते दिखाई दे रहे हैं। इस बीच, चीन के विदेश मंत्रालय ने राफेल को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के टिप्पणी पर तंज कसते हुए कहा है कि इससे क्षेत्र में शांति और स्थिरता आएगी। गुरुवार को चीनी विदेश मंत्रालय में ब्रीफिंग के दौरान चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन से जब पूछा गया कि भारतीय रक्षा मंत्री कहते हैं कि भारत की क्षेत्रीय अखंडता को खतरे में डालने का इरादा रखने वाले को फ्रांस से भारत द्वारा खरीदे गए फाइटर जेट से सावधान रहने की जरूरत है। पर्यवेक्षकों का मानना है कि उन्होंने चीन को निशाना कर यह बात कही।

चीनी राजदूत हाओ यांकी ने पीएम ओली पर साधी चुप्पी

चालबाजी

बोली, भारत और नेपाल विवाद में चीन को घसीटा जा रहा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने के आरोपों से घिरीं चीन की नेपाल में राजदूत हाओ यांकी ने कहा है कि नई दिल्ली और काठमांडू के बीच विवाद में उनके देश को जबरन घसीटा जाता है। उन्होंने कहा कि कालापानी का मुद्दा नेपाल और भारत के बीच का है और दोनों देशों को इस मुद्दे को और ज्यादा जटिल बनाने वाली किसी भी एकतरफा कार्रवाई से बचना चाहिए। वहीं चीनी राजदूत केपी ओली सरकार को बचाने के अपने प्रयासों पर जवाब देने से कन्नी काटती नजर आईं।

नेपाली अखबार नया पत्रिका को दिए इंटरव्यू में चीनी राजदूत हाओ ने कहा, कालापानी का मुद्दा नेपाल और भारत के बीच का है। हम आशा करते हैं कि दोनों देश इस मुद्दे का आपसी बातचीत के साथ समाधान कर लेंगे। साथ ही ऐसी किसी भी एकतरफा कार्रवाई से बचेंगे जिससे यह मुद्दा और ज्यादा जटिल हो

जाए। भारत और चीन के बीच वर्ष 2015 में साइन हुए संयुक्त घोषणा पत्र में इस विवादित जमीन के किसी भी देश की संप्रभुता का मुद्दा शामिल नहीं था। व्यापार का यह परंपरागत रास्ता सीमा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुविधा के लिए है। इसकी ज्यादा मतलब निकालने की जरूरत नहीं है।

कुछ ऐसी शक्तियां हैं जो चीन को घसीटना चाहती हैं: हाओ ने कहा, मैंने नोटिस किया है कि जब भी भारत और नेपाल के बीच संबंधों में विवाद होता है तो कुछ ऐसी शक्तियां हैं जो चीन को घसीटना चाहती हैं। वे कुछ भी बेमतलब की बातें करते हैं और अफवाह फैलाते हैं। हम बहुत भ्रमित महसूस करते हैं। मैं विश्वास करती हूं कि इससे चीन और नेपाल के बीच दोस्ती में कोई बाधा आएगी।

ओली को बचाने के लिए नेपाल के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के सवाल पर हाओ यांकी ने कहा कि चीन ने हमेशा से ही नेपाल की संप्रभुता का सम्मान किया है। उन्होंने ओली की सत्ता को बचाने के अपने प्रयासों पर सीधा–सीधा कुछ नहीं कहा। चीनी राजदूत ने कहा, नेपाल एक स्वतंत्र देश है और किसी भी देश को उसके आतंरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। विकास और द्विपक्षीय सहयोग पर आपसी विचारों का आदान प्रदान एक सामान्य्य राजनयिक प्रक्रिया है।

हाओ ने कहा कि अगर इसे हस्तक्षेप कहा जाएगा तो देशों के बीच कूटनीति होगी ही नहीं। एक मित्र देश के नाते हम चाहते हैं कि नेपाल में स्थिरता रहे और एकता रहे जो राष्ट्रीय विकास के लिए पहली शर्त है। नेपाली मीडिया की मानें तो पीएम ओली और प्रचंड के बीच चल रही सत्ता की जंग में चीनी राजदूत हाओ यांकी ने खुलकर ओली का समर्थन किया है। हाओ यांकी लगातार नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी में जारी मतभेदों को दूर करने के लिए बैठकें कर रही हैं। उधर, ओली के बारे में कहा जा रहा है कि वह भारत का विरोध करके चीन को खुश करने में लगे हुए हैं ताकि उनकी सत्ता बची रहे।

डोनाल्ड ट्रंप के अरमानों पर अपनों ने फेरा पानी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को देरी से कराने के डोनाल्ड ट्रंप के सुझाव पर अपनो ने ही पानी फेर दिया है। ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के शीर्ष नेताओं ने राष्ट्रपति के नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को टालने के इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। सीनेट में बहुमत के नेता मिच मैककनॅल और हाउस में अल्पमत के नेता केविन मैककार्थी दोनों ने ही ट्रंप के इस सुझाव को खारिज कर दिया।

दोनों ही रिपब्लिकन नेताओं ने कहा कि ट्रंप के पास यह अधिकार नहीं है कि वह चुनाव को टालें क्योंकि किसी भी देरी को अमेरिकी संसद से मंजूरी दिलानी

राष्ट्रपति चुनाव में देरी को किया खारिज

पड़ेगी। उधर, चौतरफा घिरे ट्रंप ने अब सफाई दी है। ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वह चुनाव में देरी नहीं करना चाहते, साथ ही उन्होंने आशंका जताई कि डाक मतपत्रों की गिनती में हफ्तों का वक्त लग सकता है और चुनाव नतीजे बाधित हो सकते हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव तीन नवंबर को होने हैं। दूसरे कार्यकाल के लिए उम्मीदवार ट्रंप डेमोक्रेटिक प्रत्याशी और पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन से कड़े मुकाबले का सामना कर रहे हैं जो कई चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में आगे चल रहे हैं।

चीन के बॉम्बर ने साउथ चाइना सी में बरसाए बम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चीन। दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी युद्धाभ्यास के बाद अब चीन के बमवर्षक विमानों ने इस विवादित इलाके में गुरुवार को जोरदार युद्धाभ्यास किया है। इस अभ्यास में चीन के सबसे शक्तिशाली माने जाने वाले एच–6जी और एच–6जे विमानों ने हिस्सा लिया। इन चीनी विमानों ने रात में भी साउथ चाइना सी में युद्धाभ्यास करके अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। ऐसा पहली बार है कि चीन के नए नवेले एच–6जे बमवर्षक विमानों ने किसी सैन्य अभ्यास में हिस्सा लिया है। चीन के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि एच–6 विमानों ने लंबी दूरी तक हमला करने और समुद्र में स्थित टारगेट को तबाह करने का परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रेन गुआकिआंग ने कहा कि यह चीन की सेना की तैयारियों को और मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा है।

पत्नी ने शरीर के टुकड़े फ्रिज में रखें फिर मशीन में धोए और वापस सिल दिए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मॉस्को। रूस में एक मशहूर पॉप सिंगर और रैपर की उनकी पत्नी ने जिस बेरहमी से हत्या की, उसे जानकर अच्छे–अच्छों के रोंगटे खड़े हो सकते हैं। ऐंडी कार्टवाइट की पत्नी मरीना ने उनकी हत्या की, शरीर के टुड़े कर दिए और फिर वॉशिंग मशीन में उनके अंग डालकर धो भी दिए। मरीना ने दावा किया है कि सेंट पीटर्सबर्ग में ड्रग ओवरडोज से ऐंडी की मौत हो गई थी जबकि रिपोर्ट्स में यह बात सामने आई है कि ऐंडी के शरीर में ड्रग्स मिले ही नहीं हैं।

मरीना का कहना है कि वह नहीं चाहती थीं कि उनके फैन्स

रूस में मशहूर रैपर–पॉप सिंगर की मौत

को पता चले कि ऐंडी की मौत ऐसे हुई है। उन्होंने बताया है कि चार दिन तक ऐंडी के शरीर के टुकड़े किए और अलग–अलग टुकड़ों को प्लास्टिक बैग में करके फ्रिज में रख दिया। बाद में इन टुकड़ों को वापस सिला और नमक छिड़क दिया। मरीना ने इसके लिए चाकू और हथौड़े जैसे हथियारों का इस्तेमाल किया। पूरी घटना को अंजाम देने के बाद उन्होंने अपार्टमेंट धोया। दोनों का दो साल का बच्चा भी उस वक्त घर में ही था।

शरीर में ड्रग्स नहीं: रिपोर्ट्स रूस की पुलिस ने बताया है कि उन्होंने इस मामले में हत्या का केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। वहीं सूत्रों के मुताबिक रैपर के शरीर से ड्रग्स नहीं मिले हैं। ऐंडी के दोस्तों का भी कहना है कि वह शराब पीते थे लेकिन ड्रग्स नहीं लेते थे जबकि मरीना का कहना है कि उन्हें ऐंडी के शव के पास सिरिंज मिली थी। उन्होंने दावा किया है कि कोरोना वायरस लॉकडाउन के दौरान उन्हें ड्रग्स की लत लग गई थी।

रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि मरीना की मां ने इसमें उनकी मदद की। हालांकि, मरीना की वकील ने इस बात का खंडन किया है। साथ ही उन्होंने वॉशिंग मशीन में शरीर के अंग धोए जाने को भी गलत जानकारी बताया है।

अब नेपाली कांग्रेस में मचा घमासान, शेर बहादुर देउबा के खिलाफ उठी आवाज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। नेपाल में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के बाद अब मुख्य विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस में भी घमासान मच गया है। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और उनके विरोधी रामचंद्र पौडयाल के बीच तलवारें खिंच गईं हैं। रामचंद्र पौडयाल और पार्टी के महासचिव शशांक कोइराला ने देउबा को एक संयुक्त पत्र लिखकर कहा कि उनका इस बात को लेकर भरोसा उठ गया है कि पार्टी का 14वां राष्ट्रीय सम्मेलन स्वतंत्र, मुक्त और निष्पक्ष तरीके से होगा।

पौडयाल और कोइराला ने पार्टी अध्यक्ष के ऑफिस में अपना ज्ञापन सौंपने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि पार्टी अपनी सक्रिय सदस्यता को पारदर्शी तरीके से वितरित करे। साथ ही नेपाली कांग्रेस की गतिविधियों को पार्टी के कानून और नियमों के मुताबिक करे। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष देउबा समेत पार्टी के सभी निकाय नेपाली कांग्रेस के केयरटेकर पार्टी पदाधिकारी हो गए हैं क्योंकि वर्तमान नेतृत्व का कार्यकाल मार्च में ही खत्म हो गया है।